

॥ जय नंदी बाबा ॥

॥ श्री करनला ॥

॥ जय गोमाता ॥

॥ सेवा ॥

॥ सुरक्षा ॥

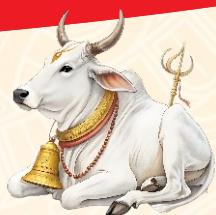
॥ सम्मान ॥



गो सम्मान आद्वान अभियान



**प्रधान संरक्षक - गौमाता (आदिरक्ति मां सुरभि)
अध्यक्षता - नंदी बाबा (नीलमणि वृषभदेव)**



आशीर्वाद

भारतीय परम्परा के समस्त आराध्य देवी देवता

सहयोग :- भारतीय परम्परा के सभी आचार्य, भारतीय परम्परा के सभी मूर्धन्य संत, महापुरुष, सभी गो संत, गो भक्त, गोरक्षक, गो सेवक, गो पालक, गो पुत्र, गो वत्स, गो प्रेमी जन

अभियान का मुख्य उद्देश्य

केंद्र सरकार, और देश की सभी राज्य सरकारों से राष्ट्र और भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से गो माता को सेवा (गौ माता को उचित अनुदान मिले) सुरक्षा (भारत से गौहत्या पूरी तरह समाप्त हो) और सम्मान (गौ माता राष्ट्रमाता बने) का मौलिक अधिकार प्रदान करवाना





सरकार से मुख्य आग्रह



(गौरक्षा संबंधित मुख्य आग्रह)

1. गौ माता को राष्ट्र माता के पद पर विराजमान करे (गौ माता को सम्मान मिले)।
2. गो रक्षा हेतु केंद्रीय कानून बने।
3. भारतवर्ष में गौ हत्या पूरी तरह समाप्त हो।

(गोगव्य महत्व संबंधित मुख्य आग्रह)

1. गोबर, गोमूत्र को लेकर के बृहद अनुसंधान और विश्वविद्यालय बने जिससे गोबर, गोमूत्र का कृषि और अन्य उपयोग में महत्व बढ़े।
2. गौ माता का दूध, दही, धी, गोबर, गोमूत्र को बढ़ावा मिले, उस संदर्भ में शासन उचित नीतियां बनाए।
3. गोबर, गोमूत्र से जुड़े प्रसंस्करण यूनिट को बढ़ावा दिया जाए और नवीन अनुसंधान हो।
4. रासायनिक कृषि को नियंत्रित कर गो अधारित कृषि को बढ़ावा दिया जाए।
5. सरकारी भवनों और चिकित्सालय में सामान्य पेंट की जगह गोबर पेंट और फिनायल की जगह गौनाईल उपयोग अनिवार्य किया जाए।
6. आयुर्वेदिक चिकित्सालय में पंचगव्य औषधियों का निःशुल्क वितरण किया जाए।
7. गोबर गोमूत्र से जुड़े उद्यम लगाने के लिए उद्यमियों को प्रेरित करें (किसी भी फैक्ट्री वाले को जमीन देने से पहले यह तय करें, कि आप गौ सेवा से जुड़ा हुआ कोई एक कार्य साथ करेगे)
8. सरकारी नियंत्रण में चल रहे मंदिरों में भोग, आरती, पूजा और प्रसाद में देशी गोमाता का दूध, दही, धी का उपयोग अनिवार्य किया जाए।
9. बड़े शॉपिंग मॉल में गो आधारित कृषि उत्पाद और देशी गो से संबंधित डेयरी और गोबर गोमूत्र उत्पाद विक्रय हेतु एक काउंटर की अनिवार्यता लागू की जाए।
10. बेल आधारित कृषि करने वाले बेल धारक किसानों को विशेष आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

(अनुदान एवं चारा संबंधित मुख्य आग्रह)

1. सभी राज्यों में निराशित गोवंश हेतु संचालित गौशालाओं को अनुदान प्राप्त हो, जिससे निराशित गोवंश की उचित सेवा हो।
2. चारे की उचित कीमत तय की जाए, चारे के अवैध भंडारण पर रोक लगे जिससे माफिया पर लगाम लगे।
3. घास का उपयोग केवल गो आहार और पशु आहार के रूप में हो, अन्य उपयोग न हो, चारे को फैक्ट्रीयों में जलाने पर प्रतिबंध लगे।
4. देश भर में आरक्षित गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने हेतु कार्यवाही हो गोचर विकास बोर्ड की स्थापना हो गोचर भूमिका उपयोग केवल गोशाला संचालन और गो चारण हेतु उपयोग ली जाए।



(गौशाला संबंधित मुख्य आग्रह)

- प्रत्येक ग्राम पंचायत पर निराश्रित नर गोवंश के लिए नंदीशाला की स्थापना हो।
- गौशालाओं को मनरेगा से जोड़ा जाए, ताकि गौशाला में काम करने वाले लोगों को 100 दिन का ग्वाल वेतन मनरेगा से प्राप्त हो एवं मनरेगा योजना के तहत गौशालाओं में निर्माण कार्य हो।
- सम्पूर्ण देश में गोवंश संख्या के आधार पर गौशालाओं को एक निश्चित बिजली यूनिट निःशुल्क आवंटित हो अथवा बिजली बिल में एक निश्चित प्रतिशत छूट मिले।
- अधिक दान प्राप्त करने वाले सरकारी नियंत्रण में चल रहे मंदिरों के साथ गौशाला संचालन अनिवार्य किया जाये।
- महानगरों में बड़े आवासीय क्षेत्र में गौशाला स्थापित करने हेतु बिल्डर को पृथक स्थान छोड़ने के निर्वेश जारी किए जाए ताकि वहाँ रहने वाले गोप्रेमियों को गो दर्शन और गो ग्रास का लाभ प्राप्त हो एवं निराश्रित गोवंश को आश्रय प्राप्त हो सके।

(कानून संबंधित मुख्य आग्रह)

- गौ हत्यारों, गो तस्करी में लिप्त अपराधियों के लिए आजीवन कठोर कारावास जैसी सजा का प्रावधान हो।
- गो तस्करी में उपयोग आने वाले वाहनों की जब्ती होने पर जमानत न हो व सदा सदा के लिए राजसाद हो और उन्हें नीलाम किया जाए अथवा गौशालाओं को उपयोग हेतु सौंप दिया जाए।
- कंपनियों के CSR फंड मे से एक निश्चित राशि गो सेवा से जुड़े कार्यों हेतु खर्च करने की अनिवार्यता लागू हो।
- सिंगल यूज़ पॉलीथिन केरी बेग के उपयोग पर शक्तिपूर्वक प्रतिवंध लगाया जाए अथवा उसके उपयोग के पश्चात विधिवत निस्तारण किया जाये।
- पशु मेलो के नाम पर हो रही अवैध गो तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु केंद्रीय कानून बने।

(गो चिकित्सालय एवं विद्यालय से संबंधित मुख्य आग्रह)

- जिला स्तर पर पृथक से पंचगव्य चिकित्सालयों की स्थापना हो।
- विद्यार्थियों को दिए जाने वाले मिड डे मील में देशी गाय माता के ताजा दूध अथवा देशी गाय माता के दूध का पाउडर को शामिल किया जाये।
- संस्कृत महाविद्यालय में गोसेवा प्रकल्प अनिवार्य किए जाये।
- सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में देशी गाय के आर्थिक वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व के विषय अनिवार्य किए जाएं।
- राजमार्गों पर होने वाली गो दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के उपाय किए जाए, प्रत्येक 50 किमी अथवा प्रत्येक टोल प्लाजा पर धायल गोवंश को तत्काल उपचार मुहैया कराने हेतु गो वाहिनी एम्बुलेंस और गो चिकित्सालय की व्यवस्था हो।



कार्यकर्ता रचना

- (1) देश के लगभग 750 जिलों में प्रत्येक जिला स्तर पर तीन संत और तीन गो प्रेमी कार्यकर्ता को सेवा प्राप्त होगी, जो जिले के अन्य गोप्रेमी संतों और गो प्रेमी भाई बहनों को इस अभियान से जोड़ेंगे (इस से ऊपर के किसी भी प्रकार के प्रांतीय अथवा राष्ट्रीय स्तर सेवा पद नहीं होगे)
- (2) 5000 तहसीलों में प्रत्येक तहसील स्तर पर एक संत और एक गोप्रेमी कार्यकर्ता को सेवा प्राप्त होगी, जो तहसील के अन्य गोप्रेमी संतों और गो प्रेमी भाई, बहनों को इस अभियान से जोड़ेंगे





अत्यंत महत्वपूर्ण स्मरण बिंदु

- (1) यह अभियान किसी संस्था अथवा संगठन के बैनर तले ना होकर केवल ईश्वर, गोमाता, और नंदी बाबा के सानिध्य में होगा ।
- (2) इस अभियान में किसी आचार्य, संत, महंत, नेता, अभिनेता, कार्यकर्ता का फ्रोटो, पोस्टर, बैनर, होल्डिंग पर नहीं लगेगा, केवल नंदी महाराज और गोमाता का ही चित्र मुद्रित होगा ।
- (3) यह अभियान किसी भी राजनैतिक दल, संगठन, अथवा किसी भी राज्य अथवा केंद्र सरकार के विरुद्ध नहीं है, इस अभियान का उद्देश्य केवल मात्र गो माता को सेवा सुरक्षा और सम्मान मिले इस हेतु आग्रह है ।
- (4) यह अभियान पूर्णरूपेण अहिंसक होगा इस अभियान के दौरान किसी भी राष्ट्रीय अथवा किसी भी निजी सम्पति को नुकसान पहुँचाने वाले विचारकों को पूरी तरह दूर रखा जाएगा ।
- (5) इस अभियान में कोई मंचीय उद्घोषण नहीं होगा, कोई माइक से भाषण नहीं होगा । गो प्रेमीजन अपनी बात, संकीर्तन, रेली और प्रार्थना पत्र के माध्यम से रखेंगे ।



गो सम्मान आह्वान अभियान कार्य योजना

प्रत्येक जिला मुख्यालय से कम से कम 3 गो भक्तों और 3 गो संतों को जोड़ा जाएगा, जिसमें 1 गो भक्त और 1 संत प्रमुख रहेंगे और 2 गो भक्त और 2 संत उनके सहयोगियों के रूप में कार्य करेंगे, वो निम्न बिंदुओं पर कार्य करेंगे :-

पाँच माह (दिसम्बर, जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल) में गहन प्रचार प्रसार एवं जनसंपर्क करना है, उसके पश्चात् दिनांक 27 अप्रैल 2026 (सोमवार) को उस क्षेत्र के सभी गो भक्तों एवं संतों के साथ मिलकर उस जिले में जितने तहसील मुख्यालय है, वहाँ जाकर तहसीलदार अथवा SDM को, माननीय राष्ट्रपति महोदया, भारत के प्रधानमंत्री महोदय, राज्य के माननीय राज्यपाल महोदय, राज्य के मुख्यमंत्री महोदय के नाम प्रार्थना पत्र देंगे।

इसके पश्चात् 3 माह प्रतीक्षा करेंगे तथा राज्य सरकार और केंद्र सरकार की ओर से आशा अनुकूल उत्तर और परिणाम नहीं मिलने पर पुनः दिनांक 27 जुलाई 2026 (सोमवार) को देश के प्रत्येक जिले के सभी गौ भक्तों एवं संतों के साथ अपने-अपने जिला मुख्यालय पर जाकर जिला कलक्टर को, माननीय राष्ट्रपति महोदया, भारत के प्रधानमंत्री महोदय, राज्य के माननीय राज्यपाल महोदय, राज्य के मुख्यमंत्री महोदय के नाम प्रार्थना पत्र देंगे।

3 माह (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर) पुनः प्रतीक्षा के पश्चात् राज्य सरकार और केंद्र सरकार की ओर से आशा अनुकूल उत्तर और परिणाम नहीं मिलने पर दिनांक 27 अक्टूबर 2026 (मंगलवार) में सभी जिला एवं तहसील के संत अपने-अपने जिले के सभी गो भक्तों को लेकर अपने प्रदेश की राजधानी में पहुंचकर, मुख्यमंत्री जी एवं राज्यपाल महोदय के माध्यम से माननीय राष्ट्रपति महोदया जी और भारत के प्रधानमंत्री जी के नाम प्रार्थना पत्र देंगे।



गो सम्मान आह्वान अभियान कार्य योजना

पुनः 3 माह प्रतीक्षा करने पर राज्य सरकार और केंद्र सरकार की ओर से आशा अनुकूल उत्तर और परिणाम नहीं मिलने पर, लाल किले की प्राचीर से सकारात्मक उद्घोथन नहीं मिलने पर सभी राज्यों के 5000 तहसील और 750 जिलों के नियुक्त किए संत एवं गो भक्त एक महीने तैयारी करके अधिकाधिक गो प्रेमियों को लेकर दिनांक 27 फरवरी 2027 (शनिवार) को राष्ट्र की राजधानी दिल्ली पहुंचकर शांतिपूर्ण तरीके से संकीर्तन करते हुए गौ सेवा गौ सुरक्षा एवं गौ सम्मान के लिए केंद्र सरकार से नियमित पत्र लेखन के माध्यम से आह्वान करेंगे जो साढ़े पाँच माह अर्थात् 15 अगस्त 2027 (रविवार) तक चलेगा।

इस संकीर्तन में देश के प्रत्येक जिले से 7-7 दिन का समय लेकर अलग अलग तिथियों पर अलग अलग जिलों के गो प्रेमी, गौ संत तथा कार्यकर्ता शामिल होंगे, साढ़े पाँच माह प्रतीक्षा करने पर भी केंद्र सरकार से उचित उत्तर और आशा अनुकूल परिणाम नामिले, तो 16 अगस्त 2027 (सोमवार) से 5-5 गोभक्त और संत आमरण अनशन पर बैठेंगे। अनशन में एक किसी गो सेवक के गोहित प्राण जाने पर उसकी जगह दूसरे गो प्रेमी संत भक्त आमरण अनशन पर बैठेंगे, यह क्रम तब तक जारी रहेगा, जब तक गौ सेवा गौ सुरक्षा गौ सम्मान नहीं मिल जाता।



संपर्क और जुड़ाव



गौ सेवा और गो रक्षा के माध्यम से होने वाले राष्ट्र रक्षा एवं संस्कृति रक्षा के इस निष्काम और पवित्र अभियान में सम्मिलित होने के लिए निम्न Whatsapp No . 8239711008 पर अपनी विस्तृत जानकारी भेजें, अधिक जानकारी के लिए निम्न नंबर पर सम्पर्क करें।

इस अभियान में सहयोग हेतु आप भी इस प्रकार के पत्रक छपवाकर वितरित कर सकते हैं। ध्यान रहें.. इसमें सौजन्य से, अपना नाम, अपनी संस्था का नाम, अपने संगठन का नाम लिखे बिना यथारूप पर्चा छपवाकर अपने क्षेत्र में वितरित कर गौसेवा में सहयोग कर सकते हैं। छपवाने के लिए सीडीआर फाइल या पीडीएफ फाइल हेतु ऊपर लिखे क्राट्सएप नंबर पर संपर्क करें।

इस अभियान हेतु किसी भी प्रकार का दान चंदा स्वीकार नहीं किया जा रहा है। अगर कोई इस अभियान के नाम से दान चंदा मांगे, तो 8239711008 नंबर पर शिकायत करें।

